स्वास्थ्य, परिवार नियोजन तथा नगरीय विकास मंत्रालय में उप-मन्त्री (श्री ब० सू० मूर्ति) : (क) से (घ). राज्य सरकार से सूचना एकत्रित की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

बाढ़ से उत्तर प्रदेश के गांव की रक्षा

5024. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रतिवर्ष गंगा नदी में आने वाली बाढ़ की बर्बादी से मुरादाबाद जिले के हसनपुर क्षेत्र को बचाने के लिये अन्ततः कोई कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या उपरोक्त कार्यक्रम को आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व पूरी तरह क्रियान्वित कर लिया जायेगा; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) से (ग). केन्द्रीय सिंचाई व बिजली आयोग तथा राज्य सरकार के अधिकारियों ने फरवरी, 1968 में मुरादाबाद जिले की हसनपुर तहसील के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण किया था । इन अधिकारियों ने सुझाव दिया था कि गंगा नदी के दायें तट और महेवा नदी के बायें तट के बीच के भाग के विस्तृत सर्वेक्षण किए जायें और वर्तमान जिबपुर साधु कलक्टर बंध को ऊंचा और मजबूत करने तथा उत्तर की ओर उसका विस्तार करने के सम्बन्ध में अन्य तकनीकी अध्ययन किये जायें और विस्तृत रिपोर्टें तथा प्राक्लन तैयार किये जायें । राज्य सरकार इन विस्तृत सर्वेक्षणों के लिये प्रबन्ध कर रही है और इन के इस वर्ष के अन्त तक समाप्त होने की सम्भावना है ।

उत्तर प्रदेश के गांवों में बिजली की व्यवस्था

5025. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुरादाबाद जिले की हसनपुर तहसील में गंगा नदी के किनारे बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों के किसी भी गांव में अब तक बिजली की व्यवस्था नहीं की गई है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस क्षेत्र में बिजली की व्यवस्था करने के हेतु कुछ समय पहले आदमपुर से आगे बिजली के खम्भे गाड़ने के लिये कार्य आरम्भ किया गया था;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस क्षेत्र में बिजली न होने के कारण किसानों को लघु उद्योगों तथा सिंचाई सुविधाओं के बारे में बड़ी कठिनाई होती है; और

(घ) यदि हां, तो क्या इस क्षेत्र में बिजली की व्यवस्था करने के लिये प्राथमिकता देने का प्रस्ताव है तथा यह कार्य कब तक पूरा हो जाने की सम्भावना है ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) से (घ). 1966-67 से ग्राम विद्युतीकरण स्कीमों में पम्पों को ऊर्जित करने पर बल दिया जा रहा है। औद्योगिक और सिंचाई सम्बन्धी बिजली कनेक्शन के लिये हसनपुर तहसील में गंगा के किनारे के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के किसानों के किसी भी आवेदन पत्र पर कार्यवाही करना बाकी नहीं है। वित्तीय संसाधनों की तंगी के कारण और पम्पों को ऊर्जित करने के लिये पर्याप्त धन की कमी के कारण, बिजली के खम्भों को आदमपुर से आगे ले जाने के प्रस्ताव को कार्यान्वित नहीं किया जा सका। इन ग्रामों को कब तक बिजली मिल पायेगी यह निश्चित रूप से नहीं बताया जा सकता, क्योंकि यह धन की उपलब्धता और उस क्षेत्र में बिजली भार के विकास पर निर्भर होगा ।